

०८ मई, २०२३
जयपुर, कृष्ण पार, त्रिपुरा
संकेत २०४०
पृष्ठ : १२, मूल्य : ₹ ३.००

सूचना से लौटे २१०
भारतीयों से मिले भारती
कठा-दुनिया में कोई भी
हिंदुस्तानी फंस जाता है
तो हम सोते नहीं हैं

रांची

सोमवार, वर्ष ०८, अंक १९७

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of: Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



आजाद सिपाही

लैंड स्कैम : इडी ने शुरू की प्रश्नों की बौछार

पहले दिन कई सवालों में उलझाते रहे निलंबित आईएएस छवि रंजन

- जमीन घोटाला मामले से जुड़े सवालों से अगले पाँच दिनों तक होगा सामना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेना की कब्जेवाली जमीन के घोटाले में गिरफ्तार निलंबित आईएएस छवि रंजन पर प्रवर्तन निरेशालय ने पूछताछ के दौरान प्रश्नों की बौछार कर दी। बता दें कि इडी ने छवि रंजन को छह दिन की रिमांड पर लिया है। रिवायार को इडी के अधिकारी होतवार स्थित विरसा मुड़ा जेल पहुंचे। वहां से वे छवि रंजन को लेकर हिनू एयरपोर्ट रोड स्थित इडी के जोनल कार्यालय पहुंचे। वहां पहुंचने के पौरान बाद पूछताछ का सिलसिला शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार पूछताछ के दौरान कई सवालों पर छवि रंजन उलझते रहे। कभी वह अधिकारियों के मुंह लाकर थे, तो कभी आंखें नीचे कर लेते थे। पूछताछ के लिए इडी के पास पांच दिन का वक्त है।

इन सवालों से हुआ छवि रंजन का सामना

छवि रंजन से रिवाया को हुई पूछताछ के दौरान उनके 12 साल के करियर के बारे में पूछा गया। इसके अलावा कोडरमा में डीसी रहते हुए सरकारी पेड़ काटने से लेकर दूसरे आरोपों के बारे में भी उनके सामाजिक और दूरों परिशिरों की जानकारी ली गयी। रिवायार को अधिकारियों ने उनसे उनकी संपत्ति की जानकारी ली और पूछा



आज कारोबारी विष्णु अग्रवाल से पूछताछ

- इडी ने तीन जमीन कारोबारियों को भी किया है तलब
- छवि रंजन को सामने बैठा कर होगी सवालों की बौछार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चर्चित कारोबारी और न्यूलिंगस मॉल के मालिक

विष्णु अग्रवाल को सोमवार को इडी के समने हाजिर होना है। इडी उनसे जमीन होरफेरी मामले में पूछताछ करेगी।

जानकारी के अनुसार उन्हें निलंबित आईएएस छवि रंजन के समने बैठाया और तब पूछताछ होगी। इडी ने जांच के दौरान पता लगाया है कि रांची के डीसी रहते हुए छवि रंजन को सपरिवार गोव घूमने का खर्च विष्णु अग्रवाल ने ही उठाया था।

यह पूछ दिए एक ट्रैवेल एजेंट के माध्यम से पूछा हुआ था। इसका नगद भुगतान विष्णु अग्रवाल के एक कर्मचारी ने दिल्ली में उक्त ट्रैवेल एजेंट को किया था।

विष्णु अग्रवाल के अलावा छवि रंजन के समने जमीन कारोबारी लखन सिंह, राजेश राय और भरत प्रसाद भी होंगे। इन सभी आरोपियों के ठिकानों पर इडी ने पिछले दिनों छापेमारी की थी।

यह पूछ दिए एक ट्रैवेल एजेंट को किया था।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि जमीन घोटाला मामले में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इन सवालों का तो छवि रंजन ने सीधी जबाब दिया। उन परिवारों के बारे में उनकी क्या भूमिका थी, तो वह गड़बड़ाने कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं।

लेगे। फिर उनसे सवाल किया गया कि उनके परिवार के लोग क्या कहते हैं। इ



शहर	अधिकतम न्यूनतम
रांची	36.6 °C 21.4 °C
सूर्योदय (आज)	18.19 बजे
सूर्योदय (कल)	05.13 बजे

इडी का दावा, 2000 करोड़ की लगी है चपत झारखंड के अवैध खनन से भी बढ़ा है छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला

जेएसबीसीएल को नहीं गिल
रहा करोड़ों का हिसाब

मनीष सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। इडी ने दावा किया है कि झारखंड के खनन घोटाले से भी बढ़ा घोटाला छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार में हुआ है। छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार के किंगपिंग कहे जाने वाले अनवर ढेवर को इडी ने राजसभा रायगढ़ विधायिका हॉटेल इंपीरिया में गिरफ्तार किया है। होटल के कमरे से दो डोंगल, दो आइफोन और एक सामान्य फोन बरामद हुआ है। इसके सिम बेनामी हैं। अनवर ढेवर वहां बिना किसी आईडी पुक के रह रहा था। ढेवर को पकड़ने के लिए इडी ने कई बार छत्तीसगढ़ के कई अपार्टमेंटों पर छापामारी की, लेकिन बार-बार ये फरार होने में कामयाब हो जा रहा था। इडी ने वह भी दावा किया है कि छत्तीसगढ़ के शराब व्यापार में कर्वाई 2000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। जो कि झारखंड के खनन घोटाले से बढ़ा है।

ऐसे किया उत्पाद विभाग ने कर्वाई के नाम पर आड़ बांध ललन सिंह के टास्क की समीक्षा करने रांची पहुंचे झारखंड जदयू प्रभारी विपक्षी दलों को गोलबंद करने का प्रयास

छत्तीसगढ़ शराब कारोबार के तार जुड़े झारखंड से

अनवर ढेवर और छत्तीसगढ़ स्टेट विरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसबीसीएल) का झारखंड के शराब कारोबार से काफी गहरा संबंध है। यहां यह जानली जरूरी है कि छत्तीसगढ़ स्टेट विरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड यानी सीएसबीसीएल ने ही झारखंड की शराब नीति तैयार की थी। शराब नीति तैयार करने के एक में झारखंड सरकार की तरफ से सीएसबीसीएल को एक करोड़ की राशि दी गयी थी। इडी छत्तीसगढ़ उत्पाद विभाग के विशेष सचिव एपी त्रिपाठी से भी मामले में घृणात्मक रुप से उत्पाद विभाग की शराब नीति तैयार करने का भी मास्टरमाइंड समझा जा रहा है। बताया जा रहा है कि सीएसबीसीएल के मौखिक रूप से सर्वेसर्वा एपी त्रिपाठी ही हुआ करते हैं। वित वर्ग खत्म होने के बाद देखा जा रहा है कि झारखंड में सीएसबीसीएल की शराब नीति फेल हो चुकी है। उत्पाद विभाग की तरफ से आईडीवेंश के लिए खुदरा शराब बैचने वाली छोड़ियों पर कार्वाई की गयी है। इडी झारखंड और छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार को एक सिंडिकेट की तरह काम करते हुए देख रहा है।

झारखंड में उत्पाद विभाग ने 2500 करोड़ का लक्ष्य रखा था। लेकिन शराब काम नीति के तहत देर से खुदरा दुकानों में जिसे मैनपावर सालाई करने वाली एजेंसी चला रही थी, वहां करोड़ों के हिसाब नहीं मिल रहे हैं। कुछ दुकानों में जब जेएसबीसीएल का मौखिक रूप से उत्पाद विभाग की शराब की बैंक गारंटी जब चार्टर्ड करोड़ों के हिसाब बैचने वाले भले ही एजेंसी के कर्मी थे। लेकिन शराब नीति के मूख्यांक खुदरा दुकान में उपलब्ध शराब उत्पाद विभाग यानी सरकार का है।

जेड इंफ्रास्ट्रक्चर, इंगल हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड और प्राइम बन कंपनी से शराब के मौखिक 44 करोड़ की बैंक गारंटी जब चार्टर्ड करोड़ों के हिसाब बैचने वाले भले ही एजेंसी के कर्मी थे। लेकिन शराब नीति के मूख्यांक खुदरा दुकान में उपलब्ध शराब विभाग यानी सरकार का है।

जेएसबीसीएल का हिसाब :

पूरी तरह से फेल हो चुकी शराब नीति पर उंगली ना उठे

जेएसबीसीएल को नहीं मिल रहा है।

जेएसबीसीएल को नहीं मिल

